Regarding conservation of Wainganga river in Maharashtra-Laid

डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले (भन्डारा-गोंदिया) : मैं सरकार का ध्यान महाराष्ट्र के भंडारा-गोंदिया संसदीय क्षेत्र में वैनगंगा नदी पर मंडरा रहे गंभीर संकट की ओर दिलाना चाहता हूँ । यह नदी आज प्रदूषण और अवैध रेत खनन, दोनों से त्रस्त है । नाग नदी से आने वाले गंदे, जहरीले पानी के कारण वैनगंगा का जल गंभीर रूप से प्रदूषित हो चुका है, जो न केवल जलजीवों के जीवन के लिए खतरनाक है, बल्कि इस पानी का उपयोग करने वाले नागरिकों, मवेशियों और किसानों के स्वास्थ्य एवं आजीविका को भी प्रभावित कर रहा है । प्रदूषित जल से फसलें प्रभावित हो रही हैं और मिट्टी की उर्वरता घट रही है । दूसरी ओर, नदी तटों पर हो रहा अनियंत्रित अवैध रेत खनन, जलधारा, पारिस्थितिकी तंत्र और मछली पालन को बुरी तरह नुकसान पहुंचा रहा है । ऐसे में मेरा सरकार से प्रश्न है? क्या केंद्र सरकार एक स्वतंत्र पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन (EIA) कराएगी? क्या अवैध रेत खनन पर रोक के लिए आधुनिक निगरानी तकनीकों को अपनाया जाएगा? क्या महाराष्ट्र सरकार ने केंद्र से विशेष सहायता मांगी है? मैं सरकार से वैनगंगा नदी के संरक्षण हेतु ठोस कदम उठाने का आग्रह करता हूँ ।